## ईश्वरीय परिवार के खिलाफ षड़यंत्र का दूसरा चरण : बिजली केस

कुमारी कोनिका को दिनांक 07-04-98 से नारी निकेतन, इटावा में भर्ती करवाने के सफल प्रयास के पश्चात् षड़यंत्रकारी चुपचाप नहीं बैठे, पृष्ठभूमि पर बैठे आबू पहाड़ के गद्दीनशीन देहधारी धर्मगुरुओं द्वारा मिल रही धनराशि से उन्होंने बिजली विभाग द्वारा स्थानीय पुलिस वालों से मिलीभगत कर, बिना किसी पूर्व नोटिस के कम्पिल स्थित आध्यात्मिक विश्वविद्यालय पर छापा डलवाया तथा दिनांक 16-04-98 को प्रातः 9 बजे बिजली की सप्लाई कटवा दी। उनका यह बहाना रहा कि हमारे मुख्य भ्राता द्वारा बिजली की चोरी की गई है। बिजली विभाग को मीटर की आपूर्ति के लिए दिए गए अनुरोध पत्र के साथ-2 अद्यतन भुगतान किए गए बिल आज भी साक्ष्य के रूप में मौजूद हैं। दुनिया के इतिहास में वह एक काली शाम थी, जब कम्पिल, कायमगंज और शमशाबाद थाने की पुलिस के साथ अन्य पुलिस बलों ने कम्पिल पुलिस थाने के प्रभारी के साथ ट्रक भर पी.ए.सी. फोर्स को लेकर आध्यात्मिक विद्यालय की गली में प्रवेश किया और बिना नोटिस के कन्याओं-माताओं से भरे-पूरे आध्यात्मिक विद्यालय में अचानक छापा मारा, दूसरे शब्दों में, भीरु पुरुषों की तरह आक्रमण किया, आध्यात्मिक विद्यालय निवासिनी बुज़ुर्ग महिलाओं सहित कन्याओं पर लाठीचार्ज किया।

## The Second Phase of Conspiracy against "AVV family" : Electricity Case:

Soon after the successful attempt in getting Miss. Konika remanded to Nari Niketan, Itawa from 07.04.98 onwards, the masterminds did not keep quiet. With the help of huge inflow of money from the heads behind the scene, they managed the Electrical Department who, in hands with state police, raided the "AVV" at Kampil, without any kind of Notice, disconnected the power supply on 16.04.98 at 9 AM. Their pretext was that there was a theft of Power supply by our Spiritual Brother. The up-to-date paid Bills stand evident even today along with the long pending request for supply of meter placed with Electricity Department.

It was 16-04-98, a black evening in the world History, when the police force from Kampil, Kaimganj and Shamshabad along with the other police personnel along with the Station House Officer of Kampil Police Station, entered into the street with a truck P.C.A., raided the house unnoticed, broke open the doors, attacked and lathi charged mercilessly the girls including elderly ladies of the Adhyatmik vidyalaya.

उन्होंने हमारे मुख्य भ्राता को पीट-2 कर, फाड़ी हुई धोती के साथ, नंगा ही सड़क किनारे वाले नाले में निर्दयतापूर्वक घसीटा, मारा और पुलिस की जीप में खींच कर डाल दिया। भ्राता जी निकल पड़े पुलिस वालों के साथ, आँखें निमीलित थीं। पीछे रह गई सारी कांपिल्य नगरी अचेत, अपनी आँखों में भरे हुए

आँसुओं को बिना पोंछे। कुछ निर्दोष भाइयों को भी इस आरोप पर गिरफ्तार कर लिया कि उन्होंने पुलिस की कार्यवाही में बाधा डाली।

They have indiscriminately dragged our Divine Spiritual Brother into the roadside canal with his dhoti torn into pieces, beat him mercilessly and pulled him into the Police jeep. The Spiritual Brother simply followed the Police; His eyes are free of feelings. The entire historical village of Kampil was left behind, inert, with tears unwiped. Some other brothers were also arrested on the pretext that they have created obstruction in the duties of the Police on duty.

हमारे निर्दोष कन्याओं, माताओं, भाइयों और मुख्य भ्राता द्वारा कौन-सा अपराध किया गया था? उत्तर यहाँ है। हमारे मुख्य भ्राता की बेल याचिका सं.601/98 के उत्तर में माननीय न्यायाधीश श्रीमती सुधा सिंह ने कहा है, ***''इन परिस्थितियों में बाबा वीरेन्द्र देव दीक्षित द्वारा बिजली की चोरी का कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं है। अतः याचिकाकर्ता बेल मंज़ूर करवाने के लिए योग्य हैं।''***-----वो आँसू जो सारी कांपिल्य नगरी ने बहाए थे, वो आँसू आज भी थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, जहाँ आज भी 99 प्रतिशत घरों में मीटर नहीं लगे हैं, वहाँ एक धार्मिक आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के रहवासियों (कन्याओं-माताओं) पर बिजली बिल अदा करने के बावजूद भी, बिजली चोरी जैसा घटिया और झूठा आरोप लगाकर षड़यंत्रकारी और पुलिस वाले ऐसे कूद पड़े, जैसे कि मानवीय वेष धारण कर इतिहास के पन्नों से राक्षस गण आध्यात्मिक विद्यालय वासियों पर अत्याचार करने के लिए फिर से कूद पड़े हों। बाकी कांपिल्य वासियों के दिल की धड़कनों की आवाज़ ठीक वैसे ही रही जैसे श्री राम अयोध्या से दंडकारण्य (वनवास) की ओर 14 साल के लिए प्रस्थान कर रहे थे।

What was at all the offence committed by our innocent girls, Mothers, Spiritual Brother and other brothers? Amswer is here.

In response to our divine brother's bail petition No.601/98, Learned Judge Smt. Sudha Singh of Allahabad High Court has stated;

"In the circumstances, there is apparently no evidence of theft of Electricity by Baba Virendra Dev Dixit. Hence, the petitioner stands eligible to get the bail sanctioned". The tears shed by the entire Kampil Village, wherein 99% of the houses were not supplied with Meters even today, stand wet till now. Despite paying the electricity consumption charges up to date with due evidences, the Police along with the "Opposition Group" has attacked the "AVV family"; as if the Demons have jumped from the pages of the epics behind the uniform of humans causing hurdles intending destruction in the indestructible knowledge of sacrifice (Yajna) being attended by the innocent sisters, mothers and brothers of the "AVV family". The heart beats of

the residents of the Kampilya Nagari were similar to those of the residents of Ayodhya when Shree Ram was emigrating towards Dandaka Forest for a period of 14 years.

दिनांक 17-04-98 के समाचार पत्रों ने पुलिस विभाग की बर्बरता का स्पष्ट साक्ष्य दिया है और जिस भी व्यक्ति का दिल **पत्थर का नहीं बना है, बिना आँसू बहाए** इस दृश्य का साक्षी नहीं रह सकता है। भ्राता वीरेन्द्र देव दीक्षित जो कम्पिल गाँव में ही पैदा हुए, बड़े हुए, पढ़ाई-लिखाई की और वहीं शिक्षक भी रहे, उनको कंपिल गाँव में 'पंडितजी' के नाम से आज भी पुकारा जाता है।

The News Papers published on the following date, i.e., 17th April, 1998, have given a detailed report on the cruelty of the Police under the guise of discharge of their duties, The Newspapers dated 17.04.98 have given a clear evidence of the brutality of the police department and who ever be the person whose heart is not made of stone, cannot evidence the situation without shedding tears. Our beloved Spiritual Brother Virendra Deo Dixit who was born, brought up, studied at Kampil village itself, is referred and revered as "PANDITJI" in Kampil Village even today.